पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का सशक्तीकरण होना आवश्यक है - राज्यपाल

लखनऊः 8 मार्च, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में वृंदावन के आश्रय सदन में रहने वाली महिलाओं को अंग वस्त्र व मंदिरों में अर्पित फूलों से निर्मित गुलाल, इत्र, धूपबत्ती, अगरबत्ती बनाने की प्रशिक्षण किट प्रदान किया तथा 8 जनपदों में राष्ट्रीय कौशल विकास केन्द्र की स्थापना, मंदबुद्धि बच्चों के लिए पी0पी0पी0 मॉडल पर बालगृह के संचालन तथा महिलाओं एवं बच्चों की सच्ची घटनाओं पर आधारित कहानियों का रेडियो चैनल के माध्यम से प्रसारण आदि योजनाओं का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी, राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह, प्रमुख सचिव महिला कल्याण श्रीमती रेणुका कुमार, सचिव महिला कल्याण श्री जे0पी0 सगर, निदेशक महिला कल्याण श्रीमती अलका सहित बड़ी संख्या में वृंदावन आश्रम की महिलाएं व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर आह्वान किया कि महिलाओं के विकास के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को अधिकारी महिलाओं तक पहुँचाएं। योजनाओं का लाभ महिलाओं तक तभी पहुंचेगा जब उनका व्यवहारिक रूप से संचालन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एकत्रित हों तो आत्मनिरीक्षण करें कि महिलाओं को सरकारी योजनाओं का कितना लाभ पहुंचा। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का सशक्तीकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं सशक्त और स्वालम्बी होंगी तो देश और आगे बढ़ेगा।

श्री नाईक ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति हजारों साल पुरानी है जिसमें कहा गया है, जहाँ महिला का सम्मान होता है वहाँ ईश्वर का वास होता है। हमारे देश में महिला राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री रह चुकी हैं जबकि वर्तमान में लोकसभा अध्यक्ष एवं रक्षा मंत्री भी महिला हैं। इसके बावजूद समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। सामाजिक कुरीतियाँ जैसे भ्रूण हत्या, दहेज उत्पीड़न, महिला पर हिंसा, लिंगानुपात में अंतर आदि पर भी विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था महिलाओं की स्थिति में सबसे बड़े परिवर्तन का साधन है।

राज्यपाल ने शिक्षित समाज पर जोर देते हुए कहा कि वे 28 विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। वर्ष 2016-17 शैक्षणिक सत्र हेतु सम्पन्न दीक्षांत समारोहों में 15 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई हैं जिनमें 51 प्रतिशत छात्राओं को उपाधि मिली है। लगभग 66 प्रतिशत छात्राओं को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक भी दिए गए हैं। समाज में छात्राओं का बदलता चित्र 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा आरम्भ की गई 'सर्व शिक्षा योजना' तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने में समाज समर्थन करें।

कार्यक्रम में मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी ने विभागीय योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए स्वागत उद्बोधन दिया तथा राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मथुरा से आये कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

अंजुम/ललित/राजभवन (95/11)

महिला
सशक्तीकरण
श्री राम नाईक
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी
श्रीमती स्वाती सिंह